SHODH SAMAGAM

ISSN : 2581-6918 (Online), 2582-1792 (PRINT)

आधुनिक युग में छत्तीसगढ़ राज्य के कृषि पुस्तकालय द्वारा उपयोगकर्ताओं को प्रदान की जाने वाली सेवाओं में सूचना स्त्रोत की प्रभावशीलता का विश्लेषणात्मक अध्ययन

राम प्रसाद कुर्रे, पी.–एच.डी., **कल्पना चंद्राकर,** पी.–एच.डी., ग्रंथालय एवं सूचना विज्ञान
मैट्स विश्वविद्यालय, रायपुर, छत्तीसगढ़, भारत

ORIGINAL ARTICLE

Authors
राम प्रसाद कुर्रे, पी.–एच.डी.
कल्पना चंद्राकर, पी.–एच.डी.
E-mail : ramprasadk@matsuniversity.ac.in

shodhsamagam1@gmail.com

Received on : 30/05/2025
Revised on : 31/07/2025
Accepted on : 11/08/2025
Overall Similarity : 10% on 01/08/2025

शोध सार

यह शोध–पत्र इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय पुस्तकालय, रायपुर, छत्तीसगढ द्वारा प्रदान की गई सेवाओं पर किए गए अध्ययन का परिणाम है। एक संरचित प्रश्नावली है जो डेटा और प्रतिशत पद्धति के लिए उपयोग किया जा रहा है और मूल्यांकन के लिए एक्सेल का उपयोग किया गया डेटा है। यह कार्य पुस्तकालय की सेवाओं और संकायों द्वारा उन सेवाओं के उपयोग पर केंद्रित है और आईजीकेवी के छात्र संग्रह और सेवाओं की उपलब्धता और उपयोग के आधार पर निष्कर्ष निकाला गया है, कि पुस्तकालय में पुस्तकों, पत्रिकाओं (राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दोनों) का एक समृद्ध संग्रह है। सीडी रॉम में सीएबीआई, एग्रीकोला, एजीआरआईएस जैसे डेटाबेस, विज्ञान प्रत्यक्ष जैसे विभिन्न डेटाबेस तक पहुंच, कृषि में ई–संसाधनों के लिए कोसोएटियम (सीईआरए) डॉक्टरेट थीसिस रिपोजिटरी कृषि प्रभा। पुस्तकालय में प्रकाशनों का एक अलग विभाग है जो डिजिटलीकरण की परियोजनाएं चलाता है,कृषि से संबंधित कई साहित्य प्रकाशित करता है । यह पुस्तकालय सोल एवं लीबसीस जैसे सॉफ्टवेयर का उपयोग करके पूरी तरह से स्वचालित है। इस अध्ययन ने निष्कर्ष निकाला है, कि पुस्तकालय कई मील के पत्थर तक पहुंच गया है और अपने उपयोगकर्ताओं को संतुष्ट करने में ऊंचाइयों को प्राप्त करने की इसकी उच्च दृष्टि है।

मुख्य शब्द

सूचना संसाधन, सूचना सेवा, कृषि सूचना सेवा, सूचना स्रोत आधारित सेवाएँ.

परिचय

पंडित जवाहर लाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर, मध्यप्रदेश से अलग होकर इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर, छत्तीसगढ की स्थापना राज्य की अधिनियम के अंतर्गत 20 जनवरी 1987 को अस्तित्व में आया जिसका उद्वेय छत्तीसगढ़ को कृषि क्षेत्र में जिसे की धान का कटोरा कहा जाता है, कृषि के विकास को नया आयाम प्रदान करना था। इस विश्वविद्यालय का नामकरण तत्कालिन प्रधानमंत्री स्व. श्रीमति इंदिरा गांधी के नाम पर किया गया।

इस विश्वविद्यालय का मुख्य उद्देश्य कृषि एवं संबंधित विज्ञानों के क्षेत्र में शिक्षा की व्यवस्था करना और शोध कार्यो में विशेष तौर पर कृषि तथा संबंधित विज्ञानों में विकास करना है, इस हेतु निरन्तर कार्यक्रमों तथा सूचना और तकनीक के स्थानान्तरण कार्य के द्वारा ऐसे उद्वेश्यों की पूर्ति करना जिनका लक्ष्य ग्रामीण व्यक्तियों के सामाजिक एवं आर्थिक स्तर को सुधारना है।

छत्तीसगढ राज्य के निर्माण के पश्चात् पुष्प के उत्पादन के विकास पर अधिक ध्यान दिया जा रहा है और ऐसी उपज ली जा रही जो क्षेत्र के तापमान और वातावरण के अनुरुप उपजायी जा सके।

नेहरू पुस्तकालय, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय का केंद्रीय पुस्तकालय है। इसे भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् द्वारा मध्य भारत के क्षेत्रीय पुस्तकालय के रूप में मान्यता दी गई है। इसका उद्देश्य विश्वविद्यालय के संकायों और छात्रों की सूचना आवश्यकताओं को पूरा करना है, साथ ही विश्वविद्यालय के संबद्ध संस्थानों की जरूरतों को पूरा करना है।

साहित्य समीक्षा

प्रस्तुत अध्ययन की समस्या को ध्यान मे रखते हुये पूर्व मे किये गये कार्यो का अध्ययन किया गया जिससे कार्य में सहायता मिली और दिशा प्राप्त हुई:

बेरतोल ने 2003 में सूचना प्रौद्योगिकी के संदर्भ में विश्व के पुस्तकालयों की स्थिति का अध्ययन किया। लेखक का मानना है कि इंटरनेट पुस्तकालय सेवाओं का एक अभिन्न अंग है जो कि पुस्तकालयिन संग्रहों और संसाधनों के अनेक रूप ले सकता है और उन्हें अनेक प्रकार से विस्तार दे सकता है।

विषय–क्षेत्र

प्रस्तुत समस्या हेतु विषय के चयन में अध्ययन का भौगोलिक क्षेत्र छत्तीसगढ़ राज्य की राजधानी रायपुर जिले में स्थापित इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के पुस्तकालय को लिया गया है, जिसे अध्ययन का विषय क्षेत्र बनाया गया है, जो नियमित रुप से सूचना सेवा प्रदान करते है और पाठक भी नियमित रुप से उपयोग करते है।

उद्देश्य

इस अध्ययन का उद्धेश्य आधुनिक युग में छत्तीसगढ़ राज्य के कृषि पुस्तकालय द्वारा उपयोगकर्ताओं को प्रदान की जाने वाली सेवाओं में सूचना स्त्रोत की प्रभावशीलता का विश्लेषणात्मक अध्ययन इस विषय का सुव्यवस्थित परीक्षण करना है।

1. पुस्तकालय द्वारा प्रदान की जा रही सूचना स्त्रोत एवं उसके प्रभाव का अध्ययन करना।
2. उपयोगकर्ताओं में पुस्तकालय सूचना स्त्रोत की संतुष्टि एवं उनके सुझाव का अध्ययन करना।
3. उच्च शिक्षा के क्षेत्र में अनुसंधान के संभावित क्षेत्रों की पहचान करना।
4. उपयोगकर्ताओं की सूचना आवश्यकता को पूरा करने में पुस्तकालय को होने वाली समस्याओं का अध्ययन करना।
5. उपयोगकर्ताओं को पुस्तकालय के उपयोग में आने वाली कठिनाइयों का अध्ययन करना।

6. पुस्तकालय के सूचना स्त्रोत की उपयोगिता का अध्ययन करना।
7. पुस्तकालय सेवा को अधिक प्रभावशाली बनाने के बारे में सुझाव देना।

परिकल्पना

$\mathbf{H_1}$ पुस्तकालय में उपयोगकर्ताओं की आवश्यकतानुसार व्यवस्थित ग्रंथालय सुविधायें प्रदान की जाती है।

$\mathbf{H_{01}}$ उपयोगकर्ता पुस्तकालय द्वारा प्रदान की जा रही सेवाओं का समुचित उपयोग नहीं करता होगा।

$\mathbf{H_2}$ पुस्तकालय में उपयोगकर्ताओं को संदर्भ सेवा दी जाती होगी।

$\mathbf{H_3}$ पुस्तकालय का आधुनिकीकरण हुआ होगा।

$\mathbf{H_4}$ पुस्तकालय की सेवा संतोषप्रद होगा।

शोध प्रविधि

प्रस्तुत शोध अध्ययन में छत्तीसगढ़ राज्य के कृषि पुस्तकालय द्वारा उपयोगकर्ताओं को प्रदान की जाने वाली सेवाओं में सूचना स्त्रोत की प्रभावशीलता का विश्लेषणात्मक अध्ययन में सूचना स्त्रोत और उनकी प्रकृति का गहन व विस्तृत अध्ययन और विश्लेषण करना तथा इन विभिन्न लक्ष्यों एवं प्रयोजनों के आधार पर अध्ययन में सर्वेक्षण विधि को प्रयुक्त किया गया है।

शोध प्रविधि का चयन शोध समस्या की प्रकृति, संभावना, उद्धेश्य और परिकल्पनाओं पर निर्भर करता है। यहां पर शोध प्रकृति के आधार पर प्रस्तुत अनुसंधान में आंकड़ो के संग्रहण हेतु प्रश्नावली का उपयोग किया गया है।

इसमें ग्रंथालयाध्यक्ष के लिये कुल 24 प्रश्नों की सूची एवं उपयोगकर्ताओं के लिये कुल 19 प्रश्नों की सूची शामिल की जायेगी, जिनसे सूत्रबध परिकल्पनाओं का परीक्षण हो सके और अन्वेषण के सुपरिभाषित क्षेत्रों से डाटा प्राप्त हो सके।

इस विधि का पालन करते हुये प्रस्तुत अध्ययन का विषय छत्तीसगढ़ राज्य के कृषि पुस्तकालय द्वारा उपयोगकर्ताओं को प्रदान की जाने वाली सेवाओं में सूचना स्त्रोत की प्रभावशीलता का विश्लेषणात्मक अध्ययन के अंर्तगत जहाँ के पुस्तकालय के ग्रंथालयाध्यक्ष एवं उपयोगकर्ताओं को एक समान शब्दों और एक समान क्रम में समांतर प्रश्न पूछा गया है।

डाटा विश्लेषण

प्रस्तुत शोध–पत्र में इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर ;छत्तीसगढ़द्ध के केंद्रीय पुस्तकालय के उपयोगकर्ताओं में से विद्यार्थी तथा शिक्षकों से प्रश्नावली के माध्यम से प्राथमिक आंकड़े एकत्रित किये गये हैं। केंद्रीय पुस्तकालय के उपयोगकर्ताओं को कुल 120 प्रश्नावली वितरित की गई जिसमें से विद्यार्थीयों से 76 प्रश्नावली प्राप्त हुई तथा शिक्षकों से 08 प्रश्नावली प्राप्त हुई। इस प्रकार इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर (छत्तीसगढ़) में निदर्शन के आधार पर 120 प्रश्नावली वितरित की गई, जिसमें 84 प्रश्नावली 70 प्रतिशत प्राप्त हुई, प्राप्त प्रश्नावली से प्राथमिक आंकड़ों को एकत्रितकरण, संग्रहण, व्यवस्थापन एवं विश्लेषण उपयुक्त सांख्यिकीय विधि तथा तालिका द्वारा किया गया है।

श्रेणी

पुस्तकालय में वितरित किये गये प्रश्नावली में से प्राप्त प्रश्नावली के आधार पर सर्वेक्षण में भाग लेने वाले विद्यार्थी तथा शिक्षकों की श्रेणी को तालिका क्रमांक 1 में देखा जा सकता है।

तालिका क्रमांक 1: सर्वेक्षण में भाग लेने वाले

सरल क्रमांक	श्रेणियाँ		योग	प्रतिशत	योग	प्रतिशत
1	विद्यार्थी	स्नातक	62	73.8	76	90.47
		स्नातकोत्तर	8	9.52		
		अनुसंधान विद्वान	6	7.14		
2	शिक्षक	व्याख्याता	3	3.57	08	09.52
		प्राध्यापक	2	2.38		
		वरिष्ठ प्राध्यापक	3	3.57		
योग			**84**	**100.00**	**84**	**100.00**

(स्त्रोतः प्राथमिक समंक)

उपरोक्त सांख्यिकीय तालिका क्रमांक 1 के अनुसार, सर्वेक्षण में भाग लेने वाले विद्यार्थीयों कुल संख्या 76 (90,47) है, और शिक्षकों की कुल संख्या 8 (9.52) है।

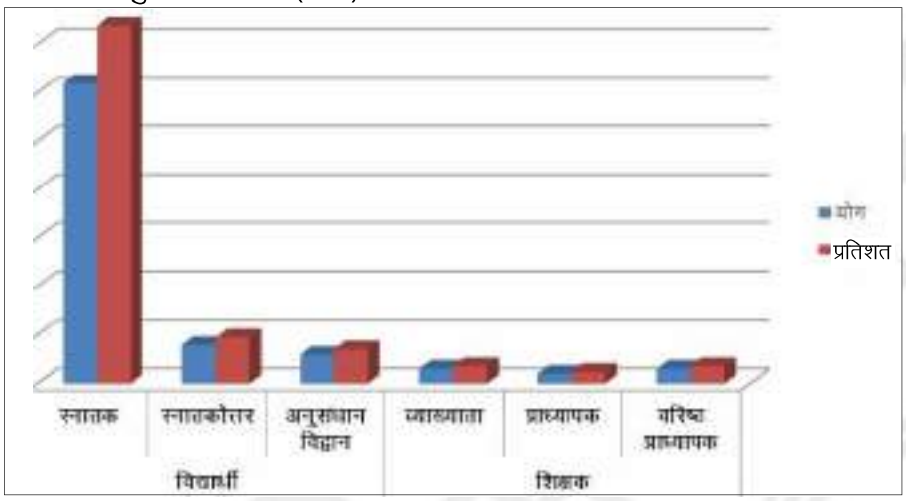

सूचना स्रोतः पुस्तकालय में वितरित किये गये प्रश्नावली में से प्राप्त प्रश्नावली के आधार पर विद्यार्थी तथा शिक्षकों की सूचना स्रोत का उपयोग को तालिका क्रमांक 2 में देखा जा सकता है।

तालिका क्रमांक 2: सूचना स्रोत का उपयोग

सरल क्रमांक	सूचना स्रोत	विद्यार्थी		शिक्षक		योग	प्रतिशत
		उपयोगकर्ता	प्रतिशत	उपयोगकर्ता	प्रतिशत		
01	पुस्तक	74	23.27	8	10.81	82	20.91
02	पत्रिका	52	16.35	7	9.45	59	15.05
03	शोध पत्रिका	22	6.91	7	9.45	29	7.39
04	सरकारी प्रकाशन	15	7.71	7	9.45	22	5.61
05	अखबार	69	21.69	5	6.45	74	18.87
06	शोध प्रबंध	13	4.08	6	8.1	19	4.84
07	लधु शोध प्रबंध	3	0.94	3	4.05	6	1.53
08	मानचित्र	10	3.14	4	5.4	14	3.57
09	प्रश्न पत्र	19	5.97	6	8.1	29	7.37
10	शब्दकोष	23	7.23	6	8.1	29	7.39
11	निर्देशिका	17	5.34	5	6.75	22	5.61
12	विश्वकोष	1	0.31	4	5.4	5	1.27
13	अन्य	0	0	6	8.1	6	1.53
योग		**318**	**100.00**	**74**	**100.00**	**392**	**100.00**

(स्त्रोतः प्राथमिक समंक)

उपरोक्त सांख्यिकीय तालिका क्रमांक 2 के अनुसार, उपयोगकर्ताओं द्वारा पुस्तकालय के सूचना स्रोत के उपयोग के आंकड़े प्रस्तुत करती है।

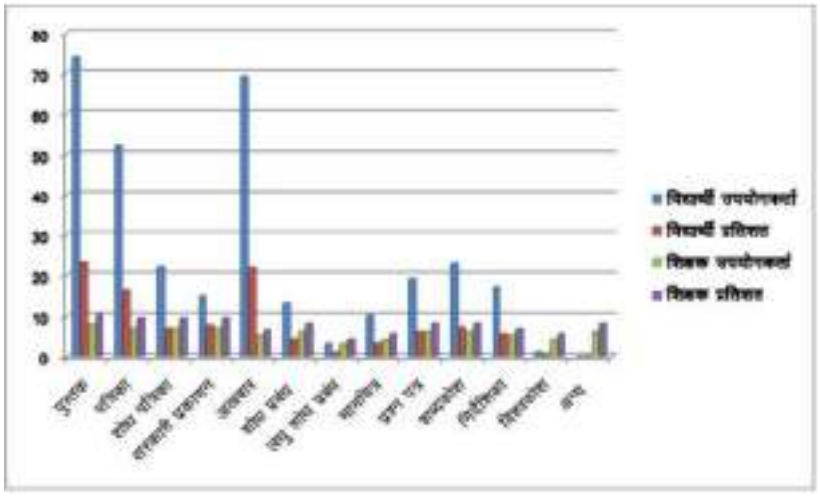

सूचना स्त्रोत से संतुष्टः पुस्तकालय में वितरित किये गये प्रश्नावली में से प्राप्त प्रश्नावली के आधार पर विद्यार्थी तथा शिक्षकों के सूचना स्त्रोत से संतुष्टि को तालिका क्रमांक 3 में देखा जा सकता हैः

तालिका क्रमांक 3: सूचना स्त्रोत से संतुष्ट

सरल क्रमांक	संतुष्ट	विद्यार्थी		शिक्षक		योग	प्रतिशत
		संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत		
1	हां	46	69.69	8	100	54	72.97
2	नहीं	20	30.30	0	000	20	27.02
योग		**66**	**100.00**	**8**	**100**	**74**	**100.00**

(स्त्रोतः प्राथमिक समंक)

उपरोक्त प्रस्तुत सांख्यिकीय तालिका क्रमांक 3 के अनुसार सूचना स्त्रोत से कुल संतुष्ट 74 विद्यार्थी समुह में योग 66 है जिसमें अधिक हां 46 (69.69 प्रतिशत) है तथा कम नहीं 20 (30.30 प्रतिशत) है शिक्षक समुह में कुल योग 08 है जिसमें अधिक हां 08 (100 प्रतिशत) है तथा नहीं 00 (00 प्रतिशत) है।

सूचना स्त्रोत की आशा/अपेक्षाः पुस्तकालय में वितरित किये गये प्रश्नावली में से प्राप्त प्रश्नावली के आधार पर विद्यार्थी तथा शिक्षकों के सूचना स्त्रोत की कुल आशा/अपेक्षा को तालिका क्रमांक 4 में देखा जा सकता है।

तालिका क्रमांक 4: सूचना स्त्रोत की आशा/अपेक्षा

सरल क्रमांक	आशा/अपेक्षा	विद्यार्थी		शिक्षक		योग	प्रतिशत
		संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत		
1	E-Resources	36	36	5	33.33	41	35.65
2	Audio Video Material (CD/DVD)	32	32	3	20.00	35	30.43
3	Video Conferencing	31	31	6	4.00	37	32.17
4	Other	1	1	1	6.66	2	1.73
योग		**100**	**100**	**15**	**100.00**	**115**	**100.00**

(स्त्रोतः प्राथमिक समंक)

उपरोक्त प्रस्तुत सांख्यिकीय तालिका क्रमांक 4 के अनुसार सूचना स्त्रोत की आशा/अपेक्षा विद्यार्थी में सबसे अधिक ई–संसाधन 36 (36 प्रतिशत) है तथा सबसे कम अन्य 01 (01 प्रतिशत) है, शिक्षक में सबसे अधिक विडियो कॉन्फ्रेंसिंग 0.6 (40 प्रतिशत) है तथा सबसे कम अन्य 01 (6.66 प्रतिशत) है।

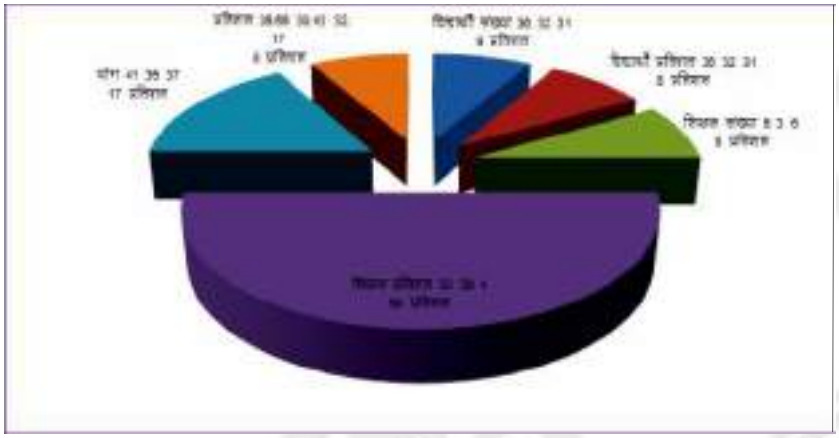

परिणाम, निष्कर्ष एवं सुझाव

सर्वेक्षण में इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर (छत्तीसगढ़) के केंद्रीय पुस्तकालय में वितरित किये गये प्रश्नावली में से प्राप्त प्रश्नावली के माध्यम से डाटा एकत्रित किया गया है जिससे नेहरू, पुस्तकालय की व्यवस्था समस्या तथा आवश्यकताओं को बारीकी से समझा है व निष्कर्ष निकाला है।

परिणाम

1. विद्यार्थियों की कुल श्रेणी 76 (90.47) है तथा शिक्षकों की श्रेणी कुल 08 (9.52) है।
2. विद्यार्थी सूचना स्त्रोत के रूप में पुस्तक का सबसे अधिक कुल 74 (23.27 प्रतिशत) उपयोग करते है तथा विश्वकोष का उपयोग सबसे कम कुल 01 (0.31 प्रतिशत) उपयोग करते है। शिक्षक सबसे अधिक पुस्तक 8 (10.8 प्रतिशत) का उपयोग करते हैं तथा सबसे कम डीजरटेशन 3 (4.05 प्रतिशत) का उपयोग करते है।
3. सूचना स्त्रोत से कुल संतुष्ट 74 है विद्यार्थी समुह में कुल योग 66 है जिसमें अधिक हां 46 (69.69 प्रतिशत) है तथा कम नहीं 20 (30.30 प्रतिशत) है शिक्षक समुह में कुल योग 08 है जिसमें अधिक हां 08 (100 प्रतिशत) है तथा नहीं 00 (00 प्रतिशत) है।
4. सुचना स्त्रोत की आशा/अपेक्षा विद्यार्थी में सबसे अधिक ई–संसाधन 36 (36 प्रतिशत) है तथा सबसे कम अन्य 01 (01 प्रतिशत) है। शिक्षक में सबसे अधिक विडियो कॉन्फ्रेंसिग 06 (40 प्रतिशत) है तथा सबसे कम अन्य 01 (6.66 प्रतिशत) है।

सर्वेक्षण से ज्ञात होता है कि इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर के नेहरू पुस्तकालय में उपयोगकर्ता

पुस्तक का अधिक उपयोग करते है तथा विश्वकोष, डिजरटेशन का कम उपयोग करते है। नेहरू पुस्तकालय द्वारा उपयोगकर्ताओं को प्रदान की जाने वाली सेवाओं में सूचना स्त्रोत से अधिकांश उपयोगकर्ता संतुष्ट है तथा पुस्तकालय से ई– संसाधन, ऑडियो–वीडियों मटेरियल सी.डी./डी.वी.डी. , वीडियो कांन्फ्रेसिंग आदि सेवा की आशा/ अपेक्षा रखते है।

निष्कर्ष

छत्तीसगढ़ राज्य के कृषि विकास में इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर के नेहरू पुस्तकालय का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। यहां न केवल कृषि से संबंधित विभिन्न पाठ्यक्रमों के विद्यार्थियों, प्राध्यापकों, शोध वैज्ञानिकों एवं कृषक समाज से जुड़े संबंधित व्यक्तियों की आवश्यकतानुसार उन्हें कृषि साहित्य एवं सूचनाओं को उपलब्ध कराया जा रहा है, बल्कि विश्व स्तर के कृषि साहित्य को संरक्षित एवं व्यवस्थित कर नवीनतम् सूचना प्रौद्योगिकी के माध्यम से उपयोगकर्ताओं को उपलब्ध कराई जा रही है, जिसका ना केवल छत्तीसगढ़ में अपितु समस्त मध्य भारत के शोध छात्र–छात्राओं, प्राध्यापकों कृषि वैज्ञानिकों एवं कृषि विस्तार कार्यकर्ताओं द्वारा उपयोग किया जा रहा है। यहां उपलब्ध आलेखों, पाठ्य–सामग्री, इलेक्ट्रानिक स्वरूप में करने एवं डाटा एन्ट्री कर आवश्यक हार्डवेयर एवं साफ्टवेयर के माध्यम से, कम से कम समय में अधिक से अधिक जानकारी शीघ्रता से उपयोगकर्ताओं को सुगम करायी जा रही है।

अंचल के कृषि उपयोगकर्ताओं के विचारों के माध्यम से यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि यदि आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर पुस्तकालय एवं सूचना सेवाएं प्रदान की जाये तो न केवल पुस्तकालय का सूचना तंत्र और अधिक विकसित होगा वरन् कृषि, अनुसंसाधन एवं प्रसार में लगे प्राध्यापक, वैज्ञानिक एवं अन्य संबंधित व्यक्तियों के समय में एवं ऊर्जा का श्रेष्ठ उपयोग के साथ–साथ यहां उनको विषय से संबंधित नवीनतम् जानकारी मिलने का भी सुअवसर प्राप्त होगा। कृषि विकास के सतत् अनुसंधान में लगे वैज्ञानिकों, प्रसारकों एवं उपयोगकर्ताओं के समय एवं ऊर्जा का श्रेष्ठ उपयोग होगा जिससे कृषि में नित्य नये शोध परिणामों के माध्यम से मात्र इसी का नहीं अपितु विश्व कृषि परिदश्य में सकारात्मक परिवर्तन संभव होगा।

भारत एक कृषि प्रधान देश है, जहां आज भी ग्रामीण अंचल में आजीविका का मुख्य आधार कृषि है इस जीवनोपयोगी व्यवसाय के लिए आवश्यक है कि कृषि आधारित नवीनतम तकनीकी ज्ञान जो कि संभव है कृषि ज्ञान के सागर नेहरू पुस्तकालय से जहां पर कृषि से संबंधित ज्ञान को संग्रहित, संरक्षित कर उनका उपयोग अध्ययन एवं प्रसार– प्रचार में किया जा रहा है।

देश में इंदिरा गांधी कृषि विश्विद्यालय रायपुर के नेहरू पुस्तकालय को एक विशिष्ट स्थान प्राप्त है, जो न केवल छत्तीसगढ़ वरन् सम्पूर्ण मध्य भारत के उपयोगकर्ताओं को कृषि ज्ञान का पोषण करता है, जहां न केवल कृषि साहित्य भौतिक स्वरूप में उपलब्ध है वरन् सम्पूर्ण विश्व की कृषि आधारित जानकारी इलेक्ट्रानिक स्वरूप में भी उपलब्ध है तथा नवीनत्म तकनीकी इंफारमेशन लैन, सी. डी. रोम डाटाबेस एवं आनलाईन पब्लिक एक्सेस केटलॉग आदि के माध्यम से उपलब्ध कराई जा रही है।

यहां प्रमुख सेवाओं में सूचना एवं प्रलेखन सेवा, कम्प्यूटर सार सेवा, सूचना पुनप्राप्ति सेवा, प्रशिक्षण सेवा, स्नातकोत्तर स्तरीय पाठ्यक्रय–बायोलाजीकल साहित्य एवं ग्रंथ सूची सेवा, न्यू स्टाइवल डिस्प्ले सेवा में पुस्तक आदान प्रदान सेवा प्रमुख है।

नेहरू पुस्तकालय के प्रलेखन केन्द्र में 1992 से सम्पूर्ण विश्व के एग्रीकल्चरल डाटाबेस का संग्रह है जिसमें कैब, एग्रीस, एग्रीकोला प्रमुख है जहां से लाखों की संख्या में सन्दर्भ सार सहित किये जा सकते हैं जो कि विश्वविद्यालय परिसर के एरिया नेटवर्क पर भी उपलब्ध है। पत्र–पत्रिका विभाग में 200 से अधिक देशी, विदेशी पत्र भी पत्रिकाओं को नियमित रूप से भौतिक एवं आनलाइन स्वरूप में मंगाया जा रहा है इसके बैक वाल्यूम भी उपलब्ध है। यहां पर कृषि विश्वविद्यालय के प्रकाशन,वार्षिक प्रतिवेदन प्राप्त है। इसके अतिरिक्त यहां पर पाठ्यपुस्तक प्रभाग में लगभग 40 हजार पाठ्यसामग्री का संग्रह है जो के अत्यधिक उपयोगी है।

प्रदेश के इस महत्वपूर्ण पुस्तकालय एवं सूचना केन्द्र नेहरू पुस्तकालय के निरन्तर और दोहन की आवश्यकता है जिसका समुचित उपयोग कर कृषि शिक्षा एवं शोध परिणामों के माध्यम से प्राप्त नवीनतम् तकनीकी कर ज्ञान का संचार कृषकों एवं कृषि से संबद्ध व्यक्तियों में एक नई क्रांति का सूत्रपात कर सकता है जिसमें न केवल छत्तीसगढ़ के कृषकों के जीवन स्तर को उन्नत किया जा सकता है, अपितु कृषि आधारित रोजगार में वृद्धि भी की जा सकती है, जिससे यहां के कृषकों के समक्ष उत्पन्न होने वाली पलायन की समस्या का समाधान किया जा सकता है।

इस प्रकार यह स्पष्ट है कि इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर (छत्तीसगढ़) के नेहरू पुस्तकालय के उचित विकास के लिए कृषि सूचना सेवा में आवश्यकतानुसार सूचना सेवा में विशिष्ट आधुनिकीकृत सेवा में आवश्यक परिवर्तन करना विचारणीय है जिससे उपयोगकर्ताओं की आवश्यकतानुसार कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान उपलब्ध हो सके तथा देश की प्रगति के लिए शिक्षा का विस्तार करना आवश्यक है ।

सुझाव

- प्रशिक्षित कर्मचारियों की नियुक्ति की जानी चाहिए।
- पाठ्य सामग्री अद्यतन उपलब्ध की जानी चाहिए।
- पुस्तकालय समय सीमा में वृद्धि की जानी चाहिए।
- कम्प्यूटर एवं इंटरनेट की सुविधा में वृद्धि करनी चाहिए।
- इंटरनेट वाईफाई की जानी चाहिए।
- सर्कुलेशन काउंटर का विस्तार करना चाहिए।
- फोटोकापी सेवा का विस्तार किया जाना चाहिए।,
- पुस्तकालय संग्रहण में वृद्धि की जानी चाहिए।
- पुस्तकालय संग्रह उच्च गुणवत्ता युक्त एवं पाठ्यक्रम पर आधारित होनी चाहिए।
- उपयोगकर्ताओं को समय पर प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए।
- अध्ययन कक्ष का विस्तार किया जाना चाहिए।
- पुस्तक सर्कुलेशन की संख्या में वृद्धि करनी चाहिए।

उपरोक्त अध्ययन से पता चलता है कि इंद्रिया गांधी कृषि विश्वविद्यालय का पुस्तकालय अपने उपयोगकर्ताओं की सूचना आवश्यकताओं को पूरा करने में काफी हद तक सफल है। पुस्तकालय में इलेक्ट्रॉनिक संदर्भ स्रोतों का बहुत अच्छा संग्रह है, जिसका अर्थ है कि यह अपने उपयोगकर्ताओं को सबसे अद्यतन जानकारी प्रदान करने में सक्षम है। यद्यपि यह पाया गया है कि पुस्तकालय कंप्यूटर–आधारित और इंटरनेट–आधारित इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों से अच्छी तरह सुसज्जित है।

एक अच्छी तरह से संरचित उपयोगकर्ता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया जाना चाहिए, और प्रत्येक नए उपयोगकर्ता को पुस्तकालय का अवलोकन दिया जाना चाहिए ताकि पुस्तकालय के संग्रह के उपयोग में सुधार हो सके, जो अंततः पुस्तकालय के उद्देश्य को पूरा करेगा।

संदर्भ सूची

1. कपिल, एच.के. (2010) *अनुसंधान विधियां,* एच.पी. भार्गव बुक्स हाऊस, आगरा, पृ.147–149,160, 218, 282–283।
2. नेहरू पुस्कालय (2007) इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, युगबोध डिजिटल प्रिन्टस, रायपुर।
3. सूद; सिंह, दिनेश (2002) *ग्रंथालय विज्ञान की रूपरेखा,* नोवेल्टी एण्ड कम्पनी, पटना, पृ. 262–265।

4. शर्मा, बी. के.; लाल, सी. एवं कुमार, के. (1999) *ग्रंथालय एवं सूचना विज्ञान,* वाई. के.पब्लिसर्स, आगरा, पृ. 49–64, 94–95।
5. पुस्तकालय सेवा, नेहरू पुस्तकालय, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर।
6. नेहरू पुस्तकालय, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर।
7. www.igau.edu.in, Accessed on 2th July 2025.

****